The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 4 | Issue 4 | April 2026
ISSN: 2583-973X (Online), SJIF IF: 5.6
Website: www.theacademic.in

उच्च शिक्षा में अध्ययनरत युवाओं की राजनीतिक सक्रियता पर सामाजिक–सांस्कृतिक एवं शैक्षिक कारकों का प्रभाव: गाजीपुर जनपद के संदर्भ में एक अध्ययन

डॉ. विवेक कुमार सिंह
सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान संकाय
विनोद कुमार यादव
मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय, सीहोर (मध्य प्रदेश)

DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.20134167

ARTICLE DETAILS

Research Paper
Accepted: 25-04-2026
Published: 10-05-2026

Keywords:
उच्च शिक्षा, युवा, राजनीतिक सक्रियता, सामाजिक–सांस्कृतिक कारक, लोकतंत्र

ABSTRACT

प्रस्तुत शोध पत्र उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद के उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत युवाओं की राजनीतिक सक्रियता पर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक कारकों के प्रभाव का विश्लेषण करता है। युवा वर्ग किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। उनकी राजनीतिक चेतना, दृष्टिकोण एवं सहभागिता समाज में परिवर्तन एवं प्रगति की दिशा निर्धारित करती है। यह अध्ययन छात्रों की राजनीतिक भागीदारी के स्वरूप, स्तर, प्रेरक कारकों तथा उनसे जुड़ी बाधाओं को समझने का प्रयास करता है। अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष नीति–निर्माताओं, शिक्षकों एवं शैक्षिक प्रशासकों को लोकतांत्रिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करने हेतु उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

1. प्रस्तावना

लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता एवं स्थायित्व नागरिकों की सक्रिय राजनीतिक सहभागिता पर निर्भर करता है, जिसमें युवाओं की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानी जाती है। युवा वर्ग किसी भी राष्ट्र की वह सृजनशील शक्ति है, जो सामाजिक परिवर्तन, राजनीतिक चेतना तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन में निर्णायक भूमिका निभाती है। विशेषतः उच्च शिक्षा में अध्ययनरत युवा न केवल शैक्षिक दृष्टि से विकसित होते हैं, बल्कि उनमें सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक समझ भी विकसित होती है, जो उन्हें एक जागरूक नागरिक के रूप में स्थापित करती है।

भारत जैसे विशाल एवं विविधतापूर्ण लोकतांत्रिक देश में युवाओं की राजनीतिक सक्रियता लोकतंत्र की जड़ों को सुदृढ़ करने का कार्य करती है। उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत युवा मतदान, राजनीतिक विमर्श, छात्र राजनीति, सामाजिक आंदोलनों, डिजिटल प्लेटफॉर्म तथा नागरिक सहभागिता के विभिन्न माध्यमों से राजनीतिक प्रक्रिया में सम्मिलित होते हैं। यह सहभागिता केवल व्यक्तिगत अधिकारों के प्रयोग तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व, राष्ट्रीय चेतना और लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास का माध्यम भी बनती है।

युवाओं की राजनीतिक सक्रियता अनेक कारकों से प्रभावित होती है, जिनमें सामाजिक–सांस्कृतिक एवं शैक्षिक कारक प्रमुख हैं। सामाजिक संरचना, पारिवारिक पृष्ठभूमि, जाति, वर्ग, धर्म, स्थानीय परंपराएँ, सांस्कृतिक मूल्य, सामाजिक संस्थाएँ तथा समुदाय की राजनीतिक चेतना युवाओं के राजनीतिक दृष्टिकोण को आकार देती हैं। इसी प्रकार शैक्षिक वातावरण, पाठ्यक्रम की प्रकृति, शिक्षकों की भूमिका, सह–शैक्षणिक गतिविधियाँ, छात्र संगठन, वाद–विवाद, संगोष्ठियाँ तथा मीडिया और डिजिटल साक्षरता भी युवाओं की राजनीतिक समझ एवं सहभागिता को प्रभावित करते हैं।

गाजीपुर जिला अर्ध–शहरी एवं ग्रामीण सामाजिक संरचना वाला क्षेत्र है, अपनी विशिष्ट सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक विशेषताओं के कारण अध्ययन हेतु एक महत्वपूर्ण क्षेत्र प्रदान करता है। यहाँ की सामाजिक संरचना, पारंपरिक मूल्य, ग्रामीण–शहरी अंतर्संबंध, शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता तथा राजनीतिक जागरूकता का स्तर उच्च शिक्षा में अध्ययनरत युवाओं की राजनीतिक सक्रियता को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। इस क्षेत्र में युवाओं की राजनीतिक सहभागिता को समझना न केवल स्थानीय स्तर पर लोकतांत्रिक चेतना के विश्लेषण हेतु आवश्यक है, बल्कि यह व्यापक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में युवाओं की भूमिका को समझने में भी सहायक सिद्ध हो सकता है।

वर्तमान समय में बदलते सामाजिक–सांस्कृतिक परिदृश्य, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के विस्तार तथा शिक्षा के बढ़ते महत्व ने युवाओं की राजनीतिक सक्रियता के स्वरूप को भी परिवर्तित किया है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि उच्च शिक्षा में अध्ययनरत युवाओं की राजनीतिक सक्रियता को प्रभावित करने वाले सामाजिक–सांस्कृतिक एवं शैक्षिक कारकों का वैज्ञानिक, वस्तुनिष्ठ एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन किया जाए। प्रस्तुत अध्ययन इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए गाजीपुर जनपद के संदर्भ में युवाओं की राजनीतिक सक्रियता का विश्लेषण करने का प्रयास करता है, जिससे नीति–निर्माण, शैक्षिक सुधार एवं लोकतांत्रिक सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक निष्कर्ष प्राप्त किए जा सकें।

2. अध्ययन के उद्देश्य :

1. उच्च शिक्षा में अध्ययनरत युवाओं की राजनीतिक सक्रियता के स्तर का अध्ययन करना।
2. छात्रों की राजनीतिक भागीदारी पर सामाजिक कारकों के प्रभाव का विश्लेषण करना।
3. सांस्कृतिक मूल्यों एवं परंपराओं का राजनीतिक दृष्टिकोण पर प्रभाव जानना।
4. शैक्षिक वातावरण एवं संस्थागत भूमिका का राजनीतिक सहभागिता पर प्रभाव अध्ययन करना।
5. छात्रों की राजनीतिक सक्रियता में आने वाली प्रमुख बाधाओं की पहचान करना।

6. नीति–निर्माताओं एवं शिक्षकों हेतु उपयुक्त सुझाव प्रस्तुत करना।

3. अध्ययन की आवश्यकता :

वर्तमान समय में युवाओं की राजनीतिक निष्क्रियता एवं उदासीनता एक गंभीर सामाजिक समस्या बनती जा रही है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव, बेरोजगारी, परीक्षा–केंद्रित शिक्षा प्रणाली तथा राजनीतिक अविश्वास के कारण छात्र सक्रिय राजनीति से दूर होते जा रहे हैं।

इस संदर्भ में यह अध्ययन आवश्यक है क्योंकि—

- यह युवाओं की राजनीतिक चेतना को समझने में सहायक है।
- लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास हेतु शैक्षिक सुधारों की दिशा निर्धारित करता है।
- सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारकों की भूमिका को स्पष्ट करता है।

4. शोध प्रश्न / परिकल्पनाएँ :

- क्या सामाजिक पृष्ठभूमि छात्रों की राजनीतिक सक्रियता को प्रभावित करती है?
- क्या शैक्षिक स्तर एवं राजनीतिक सहभागिता में सार्थक संबंध है?
- सांस्कृतिक मूल्य छात्रों के राजनीतिक दृष्टिकोण को किस सीमा तक प्रभावित करते हैं?

5. शोध पद्धति :

5.1 शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध विधि का प्रयोग किया गया है।

5.2 अध्ययन क्षेत्र

उत्तर प्रदेश का गाजीपुर जनपद।

5.3. जनसंख्या एवं प्रतिदर्ष

- जनसंख्या: गाजीपुर जनपद के उच्च शिक्षा संस्थानों के छात्र
- आयु वर्ग 20 / 34 वर्ष
- प्रतिदर्ष चयन: सुविधाजनक प्रतिदर्ष विधि

5.4. आंकड़ा संग्रह के उपकरण

प्रश्नावली

साक्षात्कार

5.5. आंकड़ा विश्लेषण

आंकड़ों का विश्लेषण प्रतिशत एवं तुलनात्मक विधि द्वारा किया गया।

तालिका –1: छात्रों की राजनीतिक भागीदारी का स्तर

राजनीतिक भागीदारी का स्तर	छात्रों की संख्या	प्रतिशत (%)
निम्न	45	45%
मध्यम	35	35%
उच्च	20	20%
कुल	100	100%

व्याख्या:

तालिका से स्पष्ट होता है कि अधिकांश छात्र (45%) निम्न स्तर की राजनीतिक भागीदारी रखते हैं, जबकि केवल 20% छात्र ही उच्च स्तर की राजनीतिक सक्रियता में संलग्न हैं। यह स्थिति युवाओं में राजनीतिक उदासीनता की ओर संकेत करती है।

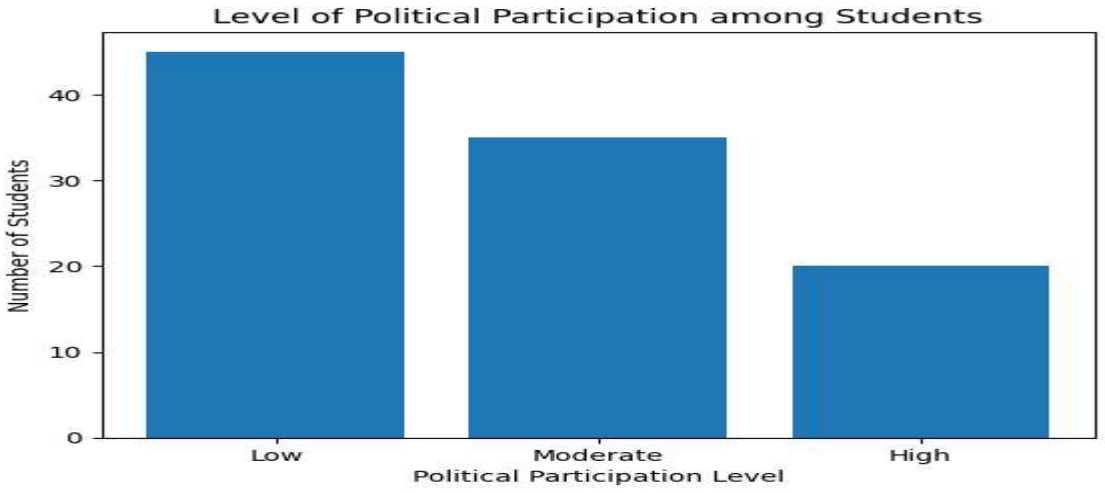

व्याख्या

ग्राफ यह दर्शाता है कि अधिकांश छात्र निम्न से मध्यम स्तर की राजनीतिक भागीदारी तक सीमित हैं। उच्च स्तर की राजनीतिक सक्रियता में भाग लेने वाले छात्रों की संख्या अपेक्षाकृत कम है, जो शैक्षिक संस्थानों में नागरिक शिक्षा को सुदृढ़ करने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

तालिका –2: राजनीतिक सक्रियता को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक

कारक	सहमत छात्र (%)
पारिवारिक सामाजिक पृष्ठभूमि	**62%**
शैक्षिक वातावरण	**58%**
सांस्कृतिक मूल्य एवं परंपराएँ	**54%**
मित्र समूह एवं सहपाठी	**49%**
मीडिया एवं सोशल मीडिया	**65%**

व्याख्या:

तालिका दर्शाती है कि मीडिया एवं सोशल मीडिया (65%) छात्रों की राजनीतिक चेतना को सबसे अधिक प्रभावित करता है, इसके बाद पारिवारिक पृष्ठभूमि एवं शैक्षिक वातावरण का स्थान आता है।

6. सामाजिक–सांस्कृतिक एवं शैक्षिक कारकों का डेटा–आधारित विश्लेषण

प्रस्तुत अध्ययन में गाजीपुर जनपद के उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत युवाओं से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया गया, ताकि उनकी राजनीतिक सक्रियता पर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक कारकों के प्रभाव को स्पष्ट रूप से समझा जा सके।

6.1 सामाजिक कारकों का प्रभाव

तालिका 6.1 : सामाजिक कारकों और राजनीतिक सक्रियता का संबंध (प्रतिशत में)

सामाजिक कारक	उच्च सक्रियता	मध्यम सक्रियता	निम्न सक्रियता
माता–पिता की उच्च शिक्षा	**65%**	**25%**	**10%**
माता–पिता की मध्यम शिक्षा	**45%**	**35%**	

20%			
माता–पिता की निम्न शिक्षा	**30%**	**40%**	**30%**
राजनीतिक रूप से सक्रिय मित्र–समूह	**70%**	**20%**	**10%**
निष्क्रिय मित्र–समूह	**35%**	**40%**	**25%**

विश्लेषण एवं व्याख्या:

तालिका से स्पष्ट होता है कि जिन छात्रों के माता–पिता शिक्षित हैं तथा जिनका मित्र–समूह राजनीतिक रूप से सक्रिय है, उनमें राजनीतिक सक्रियता का स्तर अपेक्षाकृत अधिक पाया गया। यह संकेत करता है कि पारिवारिक पृष्ठभूमि एवं सामाजिक संपर्क युवाओं की राजनीतिक सहभागिता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं।

6.2. सांस्कृतिक कारकों का प्रभाव

तालिका 6.2. : सांस्कृतिक कारकों और राजनीतिक दृष्टिकोण का प्रभाव

सांस्कृतिक कारक	सकारात्मक राजनीतिक दृष्टिकोण	तटस्थ	नकारात्मक
लोकतांत्रिक पारिवारिक मूल्य	**68%**	**22%**	**10%**
परंपरागत सामाजिक संरचना	**40%**	**38%**	**22%**
स्थानीय राजनीतिक संस्कृति में भागीदारी	**72%**	**18%**	**10%**

विश्लेषण एवं व्याख्या:

आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि लोकतांत्रिक मूल्यों एवं स्थानीय राजनीतिक संस्कृति से जुड़े युवाओं में राजनीतिक दृष्टिकोण अधिक सकारात्मक पाया गया। इसके विपरीत, अत्यधिक परंपरागत सामाजिक संरचना राजनीतिक सक्रियता को सीमित करती हुई प्रतीत होती है।

6.3. शैक्षिक कारकों का प्रभाव

तालिका :शैक्षिक वातावरण और राजनीतिक जागरूकता

शैक्षिक कारक	उच्च जागरूकता	मध्यम जागरूकता	निम्न जागरूकता
नागरिक शिक्षा युक्त पाठ्यक्रम	75%	18%	7%
नियमित शिक्षक–छात्र संवाद	70%	20%	10%
सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों में सहभागिता	68%	22%	10%
संवादहीन शैक्षिक वातावरण	32%	40%	28%

विश्लेषण एवं व्याख्या:

तालिका से स्पष्ट है कि जिन संस्थानों में नागरिक शिक्षा, संवादात्मक शिक्षण तथा सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ उपलब्ध हैं, वहाँ छात्रों की राजनीतिक जागरूकता अधिक पाई गई। इससे यह सिद्ध होता है कि शैक्षिक वातावरण युवाओं की राजनीतिक सक्रियता को प्रोत्साहित करने में निर्णायक भूमिका निभाता है।

विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है कि सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक कारक सामूहिक रूप से उच्च शिक्षा में अध्ययनरत युवाओं की राजनीतिक सक्रियता को प्रभावित करते हैं। सामाजिक परिवेश और शैक्षिक वातावरण जितना अधिक जागरूक एवं संवादात्मक होता है, युवाओं की राजनीतिक सहभागिता उतनी ही सशक्त रूप में विकसित होती है।

7. छात्रों की राजनीतिक सक्रियता में बाधाएँ:

- राजनीतिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास
- रोजगार एवं परीक्षा का दबाव
- हिंसा एवं राजनीति का अपराधीकरण
- उचित मार्गदर्शन का अभाव
- नकारात्मक सामाजिक धारणाएँ

8- निष्कर्ष :

1 सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि छात्रों की राजनीतिक सक्रियता को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है।

2 उच्च शिक्षा राजनीतिक चेतना के विकास में सहायक है, परंतु व्यवहारिक प्रशिक्षण की कमी है।

3 छात्र लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं, किंतु सक्रिय भागीदारी से दूरी बनाए रखते हैं।

9. सुझाव

- पाठ्यक्रम में नागरिक शिक्षा एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त किया जाए।
- छात्र संघ गतिविधियों को सकारात्मक दिशा दी जाए।
- सेमिनार, वाद–विवाद एवं युवा संसद जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ।
- शिक्षकों द्वारा राजनीतिक जागरूकता हेतु मार्गदर्शन दिया जाए।

निष्कर्षतःयह कहा जा सकता है कि उच्च शिक्षा में अध्ययनरत युवाओं की राजनीतिक सक्रियता सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक कारकों से गहराई से जुड़ी हुई है। यदि शिक्षा व्यवस्था में लोकतांत्रिक मूल्यों एवं नागरिक उत्तरदायित्व को प्राथमिकता दी जाए, तो युवा वर्ग समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में अधिक प्रभावी

संदर्भ

- आलमंड, जी. ए., एवं वर्बा, एस. (1963). नागरिक संस्कृतिरू पाँच देशों में राजनीतिक दृष्टिकोण और लोकतंत्र. प्रिंसटन यूनिवर्सिटी प्रेस।
- **डाल्टन, आर. जे. (2017).** राजनीतिक भागीदारी में अंतररू सामाजिक स्थिति और राजनीतिक असमानता. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
- **वर्मा, एस., एवं शर्मा, आर. (2016).** भारतीय लोकतंत्र में युवाओं की राजनीतिक भागीदारी. इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस, 77(2), 245दृ258।
- **राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (छब्म्त्ज्). (2019).** लोकतांत्रिक राजनीति. नई दिल्लीरू एनसीईआरटी।
- **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को). (2015).** वैश्विक नागरिकता शिक्षारू विषय और अधिगम उद्देश्य. पेरिसरू यूनेस्को प्रकाशन।
- **पाठक, आर. एस**. (2014). भारतीय राजनीति एवं शासन. नई दिल्लीरू पीयरसन पब्लिकेशन।
- **मिश्र, एस. के**.(2018). उच्च शिक्षा और लोकतांत्रिक चेतना का विकास. भारतीय समाजशास्त्र समीक्षा, 32(1), 67–79 ।का निभा सकता है।